



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 594] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 31, 1983/पाँच 10, 1905
No. 594] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1983/PAUSA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1983

का० आ० 950 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/83 :—केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 128 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/73, तारीख 5 मार्च, 1973 द्वारा व्यक्तियों के निकाय को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) मैसर्स कृष्णा सिलिकेट एण्ड ग्लास वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का सम्पूर्ण प्रबन्ध 5 मार्च, 1973 से पांच वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया था;

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 146 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/78, तारीख 3 मार्च, 1978, सं० का० आ० 145 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/80, तारीख 5 मार्च, 1980 सं०

का० आ० 144 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/81, तारीख 4 मार्च, 1981, सं० का० आ० 685 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/81, तारीख 4 सितम्बर 1981, सं० का० आ० 123 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/82, तारीख 4 मार्च, 1982, सं० का० आ० 649 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/82, तारीख 4 सितम्बर, 1982, और सं० का० आ० 631 (अ)/18चक/18कक/आई० डी० आर० ए०/83, तारीख 3 सितम्बर, 1983 द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का 31 दिसम्बर 1983 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, अतिरिक्त अवधि के लिए प्रबन्ध करते रहने के लिए प्राधिकृत किया था;

और केन्द्रीय सरकार ने, अपनी यह राय होने पर कि सर्वसाधारण के हित में यह समीचीन है कि प्राधिकृत व्यक्ति उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध करना जारी रखें, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18चक की उपधारा (2) के परन्तुक के अधीन एक आवेदन कलकत्ता उच्च न्यायालय को किया था, जिसमें यह प्रार्थना की गई थी कि ऐसा प्रबन्ध तारीख 3;

दिसम्बर, 1984 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की ओर अवधि के लिए जारी रखा जाए;

और उक्त उच्च न्यायालय ने अपने तारीख 22 दिसम्बर, 1983 के आदेशानुसार प्राधिकृत व्यक्ति को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध 31 दिसम्बर, 1984 तक, की ओर अवधि तक जारी रखने के लिए अनुज्ञात कर दिया था;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18क के साथ पठित धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्राधिकृत व्यक्ति को निदेश देती है कि वह आदेश तारीख 1 जनवरी, 1984 से 31 दिसम्बर, 1984 तक, एक वर्ष की ओर अवधि के लिए उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध करना जारी रखे।

[फा० सं० 2 (1)/80-सी० यू० एस०]
ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st December, 1983

S.O. 950(E)|18FA|18AA|IDRA|83.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 128(E)|18FA|18AA|IDRA|73, dated the 5th March, 1973, the Central Govt. had authorised a body of persons (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Krishna Silicate and Glass Works Limited, Calcutta, for a period of five years from the 5th March, 1973;

And whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of

Industrial Development) No. S.O. 146(E)|18FA|18AA|IDRA|78, dated the 3rd March, 1978, No. 145(E)|18FA|18AA|IDRA|80, dated the 5th March, 1980, No. S.O. 144(E)|18FA|18AA|IDRA|81 dated March, 1981, No. S.O. 685(E)|18FA|18AA|IDRA|81, dated the 4th September, 1981, No. S.O. 123(E)|18FA|18AA|IDRA|82, dated the 4th March, 1982, S. O. 649(E)|18FA|18AA|IDRA|82, dated the 4th September, 1982, and No. S.O. 631(E)|18FA|18AA|IDRA|83 dated the 3rd September, 1983, the Central Government authorised the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for further period upto and inclusive of 31st December, 1983;

And whereas the Central Government, being of the opinion that it was expedient in the interest of general public that the authorised person should continue to manage the said industrial undertaking, made an application under the proviso to sub-section (2) of section 18FA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), to the Calcutta High Court praying for the continuance of such managementmen for a further period upto 31st December, 1984;

And whereas the said High Court by its Order dated the 22nd December, 1983 permitted the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period upto 31st December, 1984;

And, now in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18FA, read with section 18AA, of the said Act, the Central Government hereby directs the authorised person to continue to manage the said industrial undertaking for a further period of one year from 1st January, 1984 to 31st December, 1984.

[File No. 2(1)|80-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.